विज्ञान में पारदर्शिता के लिए पारितोषिक

प्रयोग के परिणामों को दोहराने की क्षमता विज्ञान का मूल है। यानी कोई भी व्यक्ति किसी भी स्थान पर वही प्रयोग करे तो परिणाम भी वही मिलने चाहिए। इस विचार को लेकर मनोवैज्ञानिक ब्रायन नोसेक ने 2013 में एक सेंटर फॉर ओपन साइन्स (खुला विज्ञान केंद्र) स्थापित किया था। इस केंद्र में कोई भी वैज्ञानिक कोई भी प्रयोग करने से पहले उसका विवरण प्रकाशित करा सकता है। अब केंद्र ने एक कदम और आगे बढ़ाया है। अब ऐसे वैज्ञानिकों को अपना पूर्व-पंजीकरण करवाने के बदले 1000 डॉलर प्रदान किए जाएंगे।

यह भुगतान एक तरह का पारितोषिक है ताकि अनुसंधान में पारदर्शिता और जवाबदेही और सुदृढ़ हो। नोसेक का मत है कि पूर्व-पंजीकरण से इस बात की विश्वसनीयता बढ़ती है कि पहले से बता दिया गया है कि किस परिकल्पना की जांच हो रही है, किस तरीके से जांच हो रही है और परिणामों की व्याख्या कैसे की जाएगी। पूर्व-पंजीकरण के हिमायती कहते हैं कि इससे उन अध्ययनों में कमी आएगी जिनके नतीजे ठंडे बस्तों में पड़े रह जाते हैं, कभी प्रकाशित नहीं होते क्योंकि वे नकारात्मक हैं। चूंकि आपने पहले ही साथी वैज्ञानिकों के बीच बता दिया है कि आप क्या करने जा रहे हैं, इसलिए नकारात्मक परिणाम भी प्रकाशित करना ज़रूरी हो जाएगा।

यह पेशकश फिलहाल मात्र 1000 वैज्ञानिकों के लिए है। इसके लिए धन की व्यवस्था लौरा एंड जॉन अरनॉल्ड फाउंडेशन के एक अनुदान से हुई है। चिकित्सा सम्बंधी क्लीनिकल परीक्षणों (यानी दवाइयों व अन्य उपचारों के परीक्षणों) को इसमें शामिल नहीं किया गया है क्योंकि उनमें पहले से ही पूर्व-पंजीकरण की व्यवस्था लागू है और क्लीनिकल परीक्षण के नतीजे (नकारात्मक व सकारात्मक) प्रकाशित करने का दबाव मौजूद है।

दरअसल, पूर्व-पंजीकरण व्यवस्था से उम्मीद है कि संसाधनों की बरबादी भी रुकेगी क्योंकि ऐसा होने पर कोई भी समूह सोच-समझकर अध्ययन की डिज़ाइन बनाएगा और क्रियान्वित करेगा। अन्यथा कई बार काफी सारे आंकड़े इकट्ठे हो जाने के बाद समझ में आता है कि सारा प्रयास व्यर्थ गया। अब देखना यह है कि पूर्व-पंजीकरण की यह व्यवस्था शोध की विश्वसनीयता में वृद्धि का सबब बनती है या नहीं। ***(स्रोत फीचर्स)***

वर्ग पहेली 137 का हल

सा	पे	क्ष	ता		गु	ण	सू	त्र
ल			ल		ण		च	
		द्र	व्य	मा	न		क	द
ना	ग				फ			म
र्ली		प	र	व	ल	य		क
क			क्त				बे	ल
र	ग		सं	व	ह	न		
	ज		चा		ब			चां
प	र	का	र		ल	क्ष्य	भे	दी